भजन

तर्ज–तेरे इश्क बिन ये आतम प्यासी

पिया के चरण हैं प्राण हमारे,
इन चरणों में तन हैं हमारे

1– मूल तनों में प्रीतम प्यारे, खुद ही बसत हैं नहीं है न्यारे
दूजा कहें कैसे,तुम को पुकारे

2–पिया की रूहें प्यासी दरस की,न कुछ चाहें आस पिया की
पिया ही हैं रुह की नैनों के तारे

3–बांध लिया दिल इन चरणों में,न्यारे न होए रूह नैनों से
नैन चरण एक किए प्यारे

4–आशिक हैं हम इन चरनों के,पिया के चरन हैं रूह आशिक की
दिल में बसत हैं निमख न न्यारे

5–तन भी तुम्हारे दिल भी तुम्हारे,रुह भी तुम्हीं हो सब अंग तुम्हारे
वाहेदत में पिया होत न न्यारे